<u>प्रेस विज्ञप्ति</u>

# “वर्तमान शिक्षा प्रणाली बढ़ा रही है बेरोज़गारों की भीड़”

- “छात्र सिर्फ डिग्री हासिल कर रहे हैं, कौशल नहीं”-डॉ. रामदेव भारद्वाज
- भारतीय शिक्षा व्यवस्था को नष्ट कर रही वर्तमान शिक्षण प्रणाली
- शिक्षक बनना आसान, शिक्षण का उत्तरदायित्व निभाना कठिन
- शिक्षक का दर्पण होता है छात्र

सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय में स्व. प्रो. सुनंदा शास्त्री की स्मृति में व्याख्यान आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रामदेव भारद्वाज ने कहा कि वर्तमान शिक्षा प्रणाली के चलते ही लगातार बेरोज़गारों की भीड़ बढ़ रही है। उनका कहना था कि इस शिक्षण व्यवस्था के कारण ही छात्र सिर्फ डिग्री पा रहे हैं, कौशल हासिल नहीं कर पा रहे।

प्रो भारद्वाज ने कहा कि आदिकाल से चली आ रही भारतीय शिक्षा व्यवस्था की प्रक्रिया को वर्तमान शिक्षा प्रणाली नष्ट कर रही है इससे गुरु-शिष्य परंपरा को समाप्त होती जा रही है। गुरु-शिष्य परंपरा में छात्र कौशल के साथ तैयार किए जाते थे। प्रो भारद्वाज ने कहा कि मौजूदा दौर में शिक्षक और शिक्षार्थी के बीच विश्वास निर्मित ही नहीं हो पा रहा है। शिक्षा मात्र सूचना आधारित होकर रह गई है इसमें अधिगम्यता(लर्निंग) का आधार बचा ही नहीं है जिसके कारण शिक्षक और छात्र के बीच भटकाव पैदा हो रहा है। उनका कहना था कि आज के दौर में शिक्षक बनना तो आसान है लेकिन शिक्षण का उत्तरदायित्व निभाना कठिन हो गया है।

अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय के कुलपति ने शिक्षक और छात्र के संबंध पर कहा कि 5 सूत्रों के माध्यम से इसे सुधारा जा सकता है- विश्वास, धैर्य, अनुशासन, दिशाबोध और संवाद। प्रो. सुनंदा शास्त्री की स्मृति में आयोजित इस संवाद कार्यक्रम में सांची विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य प्रो. यज्ञेश्वर एस शास्त्री ने कहा कि शिक्षक के गुण छात्रों में स्थानांतरित होते हैं लेकिन वर्तमान में अगर समाज में बिगाड़ दिखाई दे रहा है तो इसका कारण है कि शिक्षक अपने अच्छे आचरण और गुणों से छात्रों को ही प्रभावित नहीं कर पा रहे हैं।

प्रो. शास्त्री का कहना था कि छात्र दरअसल शिक्षक का दर्पण होता है और उसका संबंध मूल्यों से होता है। शिक्षक जीवंतता के माध्यम से ही शिक्षण के माहौल को लर्निंग में तब्दील किया जा सकता है।

स्व. प्रो. सुनंदा शास्त्री सांची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय में डीन(अधिष्ठाता) के पद पर कार्यरत् थीं। पिछले वर्ष ही हृदयाघात से उनका निधन 16 अक्टूबर को हो गया था। वे संस्कृत की प्रकांड विदुषी थीं और उनके निधन के उपरांत कनाडा में आयोजित विश्व संस्कृत सम्मेलन के दौरान उन्हें श्रृद्धांजलि अर्पित की गई थी। अमेरिका के लोयोला मैरी माउंट विश्वविद्यालय में उनकी याद में एक स्मृति व्याख्यान का आयोजन किया गया।

सांची विश्वविद्यालय द्वारा संस्कृत विभाग के लिए स्व. प्रो. सुनंदा शास्त्री के नाम पर एक गोल्ड मैडल अवॉर्ड की स्थापना भी की गई है। यह गोल्ड मैडल प्रत्येक वर्ष एम.ए के पाठ्यक्रम में टॉप करने वाले छात्र को दिया जाएगा।

city भास्कर
BHOPAL, TUESDAY, 09/10/2018.

सांची विश्वविद्यालय में प्रो. सुनंदा शास्त्री की स्मृति में हुए व्याख्यान में चीफ गेस्ट प्रो. भारद्वाज ने कहा

# वर्तमान शिक्षा प्रणाली ने बढ़ा दी है बेरोजगारों की संख्या

सिटी रिपोर्टर | भोपाल

सांची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय में स्व. प्रो सुनंदा शास्त्री की स्मृति में व्याख्यान हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रामदेव भारद्वाज ने कहा कि वर्तमान शिक्षा प्रणाली के चलते ही लगातार बेरोजगारों की भीड़ बढ़ रही है। उनका कहना था कि इस शिक्षण व्यवस्था के कारण ही छात्र सिर्फ डिग्री पा रहे हैं, कौशल हासिल नहीं कर पा रहे। आदिकाल से चली आ रही भारतीय शिक्षा व्यवस्था की प्रक्रिया को वर्तमान शिक्षा प्रणाली नष्ट कर रही है इससे गुरु शिष्य परंपरा समाप्त होती जा रही है।

### आचरण और गुणों से छात्रों को ही प्रभावित नहीं कर पा रहे

कार्यक्रम में सांची विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य प्रो. यज्ञेश्वर एस शास्त्री ने कहा कि शिक्षक के गुण छात्रों में स्थानांतरित होते हैं, लेकिन वर्तमान में अगर समाज में बिगाड़ दिखाई दे रहा है तो इसका कारण है कि शिक्षक अपने अच्छे आचरण और गुणों से छात्रों को ही प्रभावित नहीं कर पा रहे हैं। सांची विश्वविद्यालय द्वारा संस्कृत विभाग के लिए स्व प्रो. सुनंदा शास्त्री के नाम पर एक गोल्ड मेडल अवॉर्ड की स्थापना भी की गई है। यह गोल्ड मैडल प्रत्येक वर्ष एमए के पाठ्यक्रम में टॉप करने वाले छात्र को दिया जाएगा।

पत्रिका PLUS
BHOPAL, TUESDAY
09/10/2018

सांची विश्वविद्यालय में स्मृति व्याख्यान

# 'छात्र सिर्फ डिग्री हासिल कर रहे हैं, कौशल नहीं'

**भोपाल** ◆ सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय में प्रो. सुनंदा शास्त्री की स्मृति में व्याख्यान आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रामदेव भारद्वाज ने कहा कि वर्तमान शिक्षा प्रणाली के चलते ही लगातार बेरोजगारों की भीड़ बढ़ रही है। उनका कहना था कि इस शिक्षण व्यवस्था के कारण ही छात्र सिर्फ डिग्री पा रहे हैं, कौशल हासिल नहीं कर पा रहे। प्रो. भारद्वाज ने कहा कि आदिकाल से चली आ रही भारतीय शिक्षा व्यवस्था की प्रक्रिया को वर्तमान शिक्षा प्रणाली नष्ट कर

रही है। इससे गुरु-शिष्य परंपरा को समाप्त होती जा रही है। गुरु-शिष्य परंपरा में छात्र कौशल के साथ तैयार किए जाते थे। प्रो. भारद्वाज ने कहा कि मौजूदा दौर में शिक्षक और शिक्षार्थी के बीच विश्वास निर्मित ही नहीं हो पा रहा है। शिक्षा मात्र सूचना आधारित होकर रह गई है इसमें अधिगम्यता(लर्निंग) का आधार बचा ही नहीं है।

नवदुनिया
भोपाल, मंगलवार 09 अक्टूबर 2018

# वर्तमान शिक्षा प्रणाली के कारण देश में बेरोजगारों की भीड़ बढ़ रही है : भारद्वाज

## सांची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विवि में स्व. प्रो. सुनंदा शास्त्री स्मृति व्याख्यान

भोपाल। नवदुनिया रिपोर्टर

सांची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय में सोमवार को स्व. प्रो. सुनंदा शास्त्री की स्मृति में व्याख्यान हुआ। इस अवसर पर विवि द्वारा संस्कृत विभाग के लिए स्व. प्रो. सुनंदा शास्त्री के नाम पर एक गोल्ड मेडल अवॉर्ड की स्थापना भी की गई है। यह गोल्ड मेडल प्रत्येक वर्ष एमए के पाठ्यक्रम में टॉप करने वाले छात्र को दिया जाएगा। स्व. सुनंदा शास्त्री सांची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विवि में डीन(अधिष्ठाता) के पद पर कार्यरत थीं। पिछले वर्ष ही हृदयाघात से उनका निधन हो गया था। वे संस्कत की प्रकांड

विदुषी थीं। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विवि के कुलपति प्रो. रामदेव भारद्वाज ने कहा कि वर्तमान शिक्षा प्रणाली के चलते ही लगातार बेरोजगारों की भीड़ बढ़ रही है। इस शिक्षण व्यवस्था के कारण ही छात्र सिर्फ डिग्री पा रहे हैं, कौशल हासिल नहीं कर पा रहे। आदिकाल से चली आ रही भारतीय शिक्षा व्यवस्था की प्रक्रिया को वर्तमान शिक्षा प्रणाली नष्ट कर रही है। इससे गुरु-शिष्य परंपरा को समाप्त होती जा रही है। गुरु-शिष्य परंपरा में छात्र कौशल के साथ तैयार किए जाते थे। प्रो. भारद्वाज ने कहा कि मौजूदा दौर में शिक्षक और शिक्षार्थी के बीच विश्वास निर्मित ही नहीं हो पा रहा है। शिक्षा मात्र सूचना आधारित होकर रह गई है इसमें अधिगम्यता(लर्निंग) का आधार बचा ही नहीं है जिसके कारण शिक्षक और छात्र के बीच भटकाव पैदा हो रहा है। आज के दौर में शिक्षक बनना तो आसान है लेकिन शिक्षण का उत्तरदायित्व निभाना कठिन हो गया है।

### छात्र शिक्षक का दर्पण

सांची विवि के कुलपति ने आचार्य प्रो. यज्ञेश्वर एस शास्त्री ने शिक्षक और छात्र के संबंध पर कहा कि 5 सूत्रों के माध्यम से इसे सुधारा जा सकता है, विश्वास, धैर्य, अनुशासन, दिशाबोध और संवाद। शिक्षक के गुण छात्रों में स्थानांतरित होते हैं, लेकिन वर्तमान में अगर समाज में बिगाड़ता दिखाई दे रहा है तो इसका कारण है कि शिक्षक अपने अच्छे आचरण और गुणों से छात्रों को ही प्रभावित नहीं कर पा रहे हैं। छात्र दरअसल शिक्षक का दर्पण होता है और उसका संबंध मूल्यों से होता है। शिक्षक जीवंतता के माध्यम से ही शिक्षण के माहौल को लर्निंग में तब्दील किया जा सकता है।

पीपुल्स समाचार
iam BHOPAL
भोपाल, मंगलवार 09 अक्टूबर 2018

# विश्वास और अनुशासन से बने बेहतर नागरिक

## सांची बौद्ध विश्वविद्यालय में व्याख्यान का आयोजन

**यंग रिपोर्टर** • आईएम भोपाल
iambhopalofficial@gmail.com

सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय में स्व. प्रो. सुनंदा शास्त्री की स्मृति में व्याख्यान आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रामदेव भारद्वाज ने कहा कि वर्तमान शिक्षा प्रणाली के चलते ही लगातार बेरोज़गारों की भीड़ बढ़ रही है। उनका कहना था कि इस शिक्षण व्यवस्था के कारण ही छात्र सिर्फ डिग्री पा रहे हैं, कौशल हासिल नहीं कर पा रहे। प्रो भारद्वाज ने कहा कि आदिकाल से चली आ रही भारतीय शिक्षा व्यवस्था की प्रक्रिया को वर्तमान शिक्षा प्रणाली नष्ट कर रही है, इससे गुरु-शिष्य परंपरा को समाप्त होती जा रही है। गुरु-शिष्य परंपरा में छात्र कौशल के साथ तैयार किए जाते थे।

**5 सूत्रों के माध्यम से समझाया शिक्षक-छात्र संबंध** : अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय के कुलपति ने शिक्षक और छात्र के संबंध पर कहा कि 5 सूत्रों के माध्यम से इसे सुधारा जा सकता है- विश्वास, धैर्य, अनुशासन, दिशाबोध और संवाद। कुलपति आचार्य प्रो. यज्ञेश्वर एस शास्त्री ने कहा कि शिक्षक के गुण छात्रों में स्थानांतरित होते हैं लेकिन वर्तमान में अगर समाज में बिगाड़ दिखाई दे रहा है तो इसका कारण है कि शिक्षक अपने अच्छे आचरण और गुणों से छात्रों को ही प्रभावित नहीं कर पा रहे हैं।

हरिभूमि
भोपाल भूमि
भोपाल, मंगलवार 9 अक्टूबर 2018

## सांची विवि में प्रो. सुनंदा शास्त्री की स्मृति में व्याख्यान का आयोजन

# वर्तमान शिक्षा प्रणाली बढ़ा रही है बेरोजगारों की भीड़ः प्रो. भारद्वाज

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

वर्तमान शिक्षा प्रणाली के चलते ही लगातार बेरोजगारों की भीड़ बढ़ रही है, इस शिक्षण व्यवस्था के कारण ही छात्र सिर्फ डिग्री पा रहे हैं, कौशल हासिल नहीं कर पा रहे। ये कहना है अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रामदेव भारद्वाज का, जो सोमवार को सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय में स्व. प्रो. सुनंदा शास्त्री की स्मृति में आयोजित व्याख्यान में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे।

### समाप्त हो रही है गुरु-शिष्य परंपरा

इस मौके पर प्रो. भारद्वाज ने कहा कि आदिकाल से चली आ रही भारतीय शिक्षा व्यवस्था की प्रक्रिया को वर्तमान शिक्षा प्रणाली नष्ट कर रही है, इससे गुरु-शिष्य परंपरा को समाप्त होती जा रही है। गुरु-शिष्य परंपरा में छात्र कौशल के साथ तैयार किए जाते थे। प्रो. भारद्वाज ने कहा कि मौजूदा दौर में शिक्षक और शिक्षार्थी के बीच विश्वास निर्मित ही नहीं हो पा रहा है। उन्होंने कहा कि शिक्षक और छात्र के संबंध पर कहा कि 5 सूत्रों के माध्यम से इसे सुधारा जा सकता है- विश्वास, धैर्य, अनुशासन, दिशाबोध व संवाद।

### छात्रों में स्थानांतरित होते हैं शिक्षक के गुणः प्रो. शास्त्री

प्रो. सुनंदा शास्त्री की स्मृति में आयोजित इस संवाद कार्यक्रम में सांची विवि के कुलपति आचार्य प्रो. यज्ञेश्वर एस शास्त्री ने कहा कि शिक्षक के गुण छात्रों में स्थानांतरित होते हैं, लेकिन वर्तमान में अगर समाज में बिगाड़ दिखाई दे रहा है तो इसका कारण है कि शिक्षक अपने अच्छे आचरण और गुणों से छात्रों को ही प्रभावित नहीं कर पा रहे हैं। सांची विश्वविद्यालय द्वारा संस्कृत विभाग के लिए स्व. प्रो. सुनंदा शास्त्री के नाम पर एक गोल्ड मैडल अवॉर्ड की स्थापना भी की गई है। यह गोल्ड मैडल प्रत्येक वर्ष एमए के पाठ्यक्रम में टॉप करने वाले छात्र को दिया जाएगा।

इंद्रप्रस्थ पृथ्विजय प्रकाशन
डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/4-
राष्ट्रीय हिन्दी मेल
न दबाव, न भेदभाव
भोपाल, इंदौर, ग्वालियर और रायपुर से एक साथ प्रकाशित
वर्ष-22 अंक- 347 www rashtriyahindimail.in भोपाल, बुधवार 10 अक्टूबर 2018 vijaydas@rashtriyahindimail.in पृष्ठ-12 मूल्य ₹ 3.50

**उद्गार**

## शिक्षक बनना आसान, शिक्षण का उत्तरदायित्व निभाना कठिन

# वर्तमान शिक्षा प्रणाली बढ़ा रही है बेरोज़गारों की भीड़ : प्रो भारद्वाज

**रायसेन, 9 अक्टूबर।** सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय में स्व.प्रो.सुनंदा शास्त्री की स्मृति में व्याख्यान आयोजित किया गया। व्याख्यान कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रामदेव भारद्वाज ने कहा कि वर्तमान शिक्षा प्रणाली के चलते ही लगातार बेरोज़गारों की भीड़ बढ़ रही है। उनका कहना था कि इस शिक्षण व्यवस्था के कारण ही छात्र सिर्फडिग्री पा रहे हैं, कौशल हासिल नहीं कर पा रहे।

वही प्रो भारद्वाज ने कहा कि आदिकाल से चली आ रही भारतीय शिक्षा व्यवस्था की प्रक्रिया को वर्तमान शिक्षा प्रणाली नष्ट कर रही है इससे गुरु.शिष्य परंपरा को समाप्त होती जा रही है। गुरु.शिष्य परंपरा में छात्र कौशल के साथ तैयार किए जाते थे। स्व. प्रो.सुनंदा शास्त्री का पिछले वर्ष ही हृदयाघात से उनका निधन 16 अक्टूबर को हो गया था। वे संस्कृत की प्रकांड विदुषी थीं और उनके निधन के उपरांत कनाडा में आयोजित विश्व संस्कृत सम्मेलन के दौरान उन्हें श्रृद्धांजलि अर्पित की गई थी। सांची विश्वविद्यालय द्वारा संस्कृत विभाग के लिए स्व. प्रो.सुनंदा शास्त्री के नाम पर एक गोल्ड मैडल अवॉर्ड की स्थापना भी की गई है। यह गोल्ड मैडल प्रत्येक वर्ष एम.ए के पाठ्यक्रम में टॉप करने वाले छात्र को दिया जाएगा।

शिक्षक और छात्र को 5 सूत्रों:-प्रो.सुनंदा शास्त्री की स्मृति में आयोजित इस संवाद कार्यक्रम में अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रामदेव भारद्वाज ने कहा की शिक्षक और छात्र के संबंध पर कहा कि 5 सूत्रों के माध्यम से इसे सुधारा जा सकता है. विश्वास,धैर्य, अनुशासन, दिशाबोध और संवाद। वही सांची विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य प्रो. यज्ञेश्वर एस शास्त्री ने कहा कि शिक्षक के गुण छात्रों में स्थानांतरित होते हैं लेकिन वर्तमान में अगर समाज में बिगाड़ दिखाई दे रहा है तो इसका कारण है कि शिक्षक अपने अच्छे आचरण और गुणों से छात्रों को ही प्रभावित नहीं कर पा रहे हैं। स्व.प्रो.सुनंदा शास्त्री सांची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय में डीन अधिष्ठाता के पद पर कार्यरत् थीं।

रायसेन भास्कर
भोपाल | मंगलवार 09 अक्टूबर, 2018

# छात्र सिर्फ डिग्री हासिल कर रहे हैं, कौशल नहीं: भारद्वाज

**रायसेन**|सांची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय में स्व. प्रो. सुनंदा शास्त्री की स्मृति में व्याख्यान आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रामदेव भारद्वाज ने कहा कि वर्तमान शिक्षा प्रणाली के चलते ही लगातार बेरोजगारों की भीड़ बढ़ रही है। उनका कहना था कि इस शिक्षण व्यवस्था के कारण ही छात्र सिर्फ डिग्री पा रहे हैं। कौशल हासिल नहीं कर पा रहे। प्रो.भारद्वाज ने कहा कि मौजूदा दौर में शिक्षक और शिक्षार्थी के बीच विश्वास निर्मित ही नहीं हो पा रहा है। शिक्षा मात्र सूचना आधारित होकर रह गई है। इसमें अधिगम्यता (लर्निंग) का आधार बचा ही नहीं है जिसके कारण शिक्षक और छात्र के बीच भटकाव पैदा हो रहा है। उनका कहना था कि आज के दौर में शिक्षक बनना तो आसान है लेकिन शिक्षण का उत्तरदायित्व निभाना कठिन हो गया है। कार्यक्रम

में सांची विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य प्रो. यज्ञेश्वर एस शास्त्री ने कहा कि शिक्षक के गुण छात्रों में स्थानांतरित होते हैं लेकिन वर्तमान में अगर समाज में बिगाड़ दिखाई दे रहा है तो इसका कारण है कि शिक्षक अपने अच्छे आचरण और गुणों से छात्रों को ही प्रभावित नहीं कर पा रहे हैं। सांची विश्वविद्यालय द्वारा संस्कृत विभाग के लिए स्व. प्रो. सुनंदा शास्त्री के नाम पर एक गोल्ड मेडल अवॉर्ड की स्थापना भी की गई है। यह गोल्ड मेडल प्रत्येक वर्ष एमए के पाठ्यक्रम में टॉप करने वाले छात्र को दिया जाएगा।